नवभारत
भोपाल, रविवार 31 मई 2026

50 किमी की आंधी से तापमान 8 डिग्री गिरा

▶ रायसेन में नौतपा में बदला मौसम, भीषण गर्मी से राहत

रायसेन, 30 मई.रायसेन में नौतपा के बीच मौसम ने अचानक करवट ले ली है. बुधवार से आसमान में बादल छाने और हवाएं चलने लगी थीं. इसके बाद शुक्रवार-शनिवार की रात करीब 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली.

आंधी के असर से दिन और रात दोनों के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है. जिले में दिन का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से घटकर 36 डिग्री पर पहुंच गया. इस तरह अधिकतम तापमान में 8 डिग्री की कमी दर्ज की गई. वहीं रात का तापमान भी 31 डिग्री से घटकर 27 डिग्री सेल्सियस रह गया.

आंधी के बाद शनिवार सुबह से ही मौसम में ठंडक महसूस की गई. दोपहर 2 बजे तक तापमान 36 डिग्री पर स्थिर बना रहा, जिससे लोगों को गर्म हवाओं और तपिश से राहत मिली. पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बाद मौसम में आया यह बदलाव लोगों के लिए राहतभरा साबित हुआ.

▶ **किसानों ने शुरू की तैयारी**

मौसम विभाग के अनुसार 31 मई से जिले में आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है. विभाग ने अगले कुछ दिनों तक मौसम में बदलाव बने रहने के संकेत दिए हैं .नौतपा की शुरुआत में जिले में भीषण गर्मी और लू का असर देखने को मिला था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मौसम का मिजाज बदल गया है. संभावित बारिश को देखते हुए किसानों ने भी खेतों में धान की बुवाई की तैयारियां शुरू कर दी हैं. मौसम में आए बदलाव से किसानों में खरीफ सीजन को लेकर उम्मीदें बढ़ी हैं.

हनुमान मंदिर तलापुरा पर बना राम सिंह द्वार

उदयपुरा, 30 मई. नगर के प्रसिद्ध तलापुरा वाले सिद्ध खेरापति हनुमान मंदिर में ,हनुमान मंदिर संचालन समिति के मार्गदर्शन में नगर के एक व्यापारी बलवीर सिंह धाकड़ के परिवार के सहयोग से उनके पिता स्वर्गीय रामचरण धाकड़ एवं माता स्वर्गीय शांति देवी की स्मृति में द्वार निर्मित कराया है. इस नवनिर्मित द्वार का नाम राम सिंह द्वार रखा गया है. इसमें स्टील का गेट लगाया गया है. इस राम सिंह द्वार के बनने से हनुमान मंदिर की भव्यता में चार चांद लग गए हैं. रामभक्त हनुमान जी के मंदिर के परिसर में पिछले भाग में तालाब के किनारे नवनिर्मित बाउंड्रीवॉल के पास यह राम सिंह द्वार बनाया गया है.

तीन साल के मासूम को मिला नया जीवन

▶ जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित था बालक

▶ आरबीएसके योजना से हुआ उपचार

बेगमगंज, 30 मई. जन्मजात बीमारियों से ग्रस्त बच्चों का घातक बीमारी से उनका शारिरिक विकास रुक जाता है. ऐसे बच्चों को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत चिन्हित करके उनका विशेष उपचार कराकर ठीक कराकर नया जीवन दिया जा रहा है.

ऐसी ही दिल में छेद वाली बीमारी से ग्रस्त जन्मजात बालक का एक मामला हाल ही में बेगमगंज में स्वास्थ्य विभाग के सामने आने पर

बीएमओ डॉ. नितिन सिंह तोमर ने ठीक कराने का बीड़ा उठाया. उन्होंने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के डॉ. बबलू साहू ने जन्मजात हृदय रोग (दिल में छेद) होने पर 3 वर्षीय बालक कृष्णा प्रजापति पिता दीपक प्रजापति एवं उसकी मां कामनी प्रजापति निवासी वार्ड 9 फकीरा मोहल्ला बेगमगंज से संपर्क करके उन्हें बच्चे का इलाज कराने को राजी कर लिया और हृदय रोग से पीड़ित कृष्णा प्रजापति को लेकर भोपाल पहुंचे डॉक्टर से संपर्क साधा जिन्होंने सफलतापूर्वक हृदय का ऑपरेशन कराकर पूरी तरह ठीक होने पर घर ले आए. कृष्णा अब पूरी तरह ठीक हो गया है उसे अब किसी प्रकार की समस्या नहीं रही. परिजनों एवं रिश्तेदारों ने जिन्होंने बीएमओ डॉ. नितिन सिंह तोमर एवं डॉ. राजू साहू सहित स्वास्थ्य विभाग एवं सरकार का आभार व्यक्त किया है. बीएमओ डॉ. नितिन सिंह तोमर एवं आरबीएस के डॉ. बबलू साहू ने बताया कि जन्मजात विकृतियों एवं हृदय रोग से ग्रस्त बच्चों को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति गुरुवार को से डीईआई मैनेजर प्रियंका चौहान द्वारा जन्मजात ऐसे विकृत बच्चों का इलाज किया जाता है.

स्कूल के विद्यार्थियों को पेड़ों को पहचानना और महत्व बताया

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में प्रकृति अध्ययन कार्यक्रम

भोपाल, 30 मई. क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल ने ग्रीष्मकालीन प्रकृति अध्ययन कार्यक्रम-हरित किशोर के तहत शनिवार को पेड़ों को पहचाने कार्यक्रम आयोजित किया.

इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को पूर्व उप वन संरक्षक डॉ. सुदेश बाघमारे ने विद्यार्थियों को पेड़ों को पहचानने के विभिन्न तरीके जैसे पेड़ का आकार- प्रकार, उनकी पत्तियों के आकार- प्रकार, छाल, फूल की संरचना, फल आदि के साथ साथ पेड़ों का मानव, कीट पतंगों, पक्षियों एवं जानवरों के लिए महत्व के बारे में जानकारी दी.

इस दौरान संग्रहालय परिसर में पाये जाने वाले पेड़ों जैसे-चम्पा, चिलबिल, काला सिरस, ताम्रफली, शीशम, कसोंदरी, जामुन, रतनजोत, करंज, पीपल, नीम, बरगद, कुल्लू, कदंब, फाइकस बेंजामिना, मुनगा, शहतूत, कठगगूलर, सेमल, कसई, हरड़, बहेड़ा, आंवला, सफ़ेद सिरस, कचनार, बबूल, बकाइन, गूलर, अर्जुन और जंगल जलेबी आदि पेड़ों को पहचानने तथा याद रखने की विधियों के बारे में बताया. कार्यक्रम के अंत में संग्रहालय के वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक मानिक लाल गुप्त ने बेहतर भविष्य के लिए विद्यार्थियों से पेड़- पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण की अपील की .

रायसेन में पहली बार निकला महिला शक्ति का पथ संचलन

लाठी और ध्वज लेकर घोष की धुन पर चलीं सेविकाएं, शहरभर में पुष्पवर्षा हुई

रायसेन, 30 मई. रायसेन नगर में शुक्रवार देर शाम राष्ट्र सेविका समिति, विदिशा विभाग द्वारा महिला शक्ति का पथ संचलन 'उद्घोष' निकाला गया. शहर में पहली बार इतने बड़े स्तर पर आयोजित इस संचलन में सेविकाएं हाथों में लाठी और ध्वज लेकर घोष की धुन पर कदमताल करती हुई दिखीं.

पथ संचलन सरस्वती शिशु मंदिर से शुरू होकर सर्राफा बाजार, उद्योग कार्यालय के सामने, महामाया चौक, गंज बाजार, भोपाल-सागर रोड चौराहा और रामलीला गेट से होते हुए वापस सरस्वती शिशु मंदिर पर समाप्त हुआ.संचलन में रायसेन नगर में चल रहे सात दिवसीय प्रारंभिक वर्ग की सेविकाओं के साथ विदिशा विभाग के विभिन्न स्थानों से आईं सेविकाओं ने भी हिस्सा लिया. पूरे मार्ग में लोगों ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया. मुख्य वक्ता विद्या भारती की क्षेत्रीय सदस्य डॉ. राजश्री वैद्य थीं. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हर आयु वर्ग की महिलाओं को राष्ट्र सेविका समिति से जुड़ने की आवश्यकता है. डॉ. वैद्य ने जोर दिया कि महिला ही परिवार और समाज में संस्कारों की आधारशिला होती है.समिति महिलाओं को सांस्कृतिक रूप से सुदृढ़ करने और उनमें राष्ट्र सेवा की भावना जगाने का कार्य कर रही है.

परिवार में संस्कारों को मजबूत करने का आह्वान

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. प्रीतीबाला ने की. उन्होंने अपने संबोधन में समिति के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्र प्रेम के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता भी महिलाओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है. डॉ. प्रीतीबाला ने सेविकाओं से समाज और परिवार में संस्कारों को मजबूत करने का आह्वान किया.

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

सगौर, आलमखेड़ा की घटनाओं के प्रभावितों को उचित मुआवजे की मांग

रायसेन, 30 मई. सांची विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सगौर में तीन मासूम बच्चियों की डूबने से हुई मौत तथा ग्राम आलमखेड़ा में आगजनी की घटना को लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने गंभीर चिंता व्यक्त की है.

इस संबंध में उन्होंने रायसेन नगरपालिका के नेता प्रतिपक्ष प्रभात चावला से घटनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की. इसके बाद दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर दोनों घटनाओं से प्रभावित परिवारों को उचित आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है. अपने पत्र में दिग्विजय सिंह ने उल्लेख किया कि ग्राम सगौर में तीन मासूम बच्चियों की असामयिक मृत्यु अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है. वहीं ग्राम आलमखेड़ा में आगजनी की घटना से प्रभावित परिवारों को भारी आर्थिक क्षति हुई है. ऐसी परिस्थितियों में राज्य सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत एवं सहायता उपलब्ध करानी चाहिए. उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि प्रभावितों को अधिकतम आर्थिक सहायता प्रदान की जाए तथा प्रशासन को आवश्यक निर्देश देकर त्वरित राहत कार्य सुनिश्चित किए जाएं. सिंह ने कहा कि संकट की इस घड़ी में शासन को पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना चाहिए.

शहरकाज़ी को लेकर उठे विवाद पर बड़ा खुलासा

बाड़ी, 30 मई. बाड़ी शहर के मुस्लिम समाज में इन दिनों एक अहम मसले को लेकर पैदा हुई गलतफ़हमियों पर आखिरकार तस्वीर साफ़ होती दिखाई दी. एक पक्ष जहाँ प्रशासन को अपनी बात से मुतास्सिर कर गुमराह करने में कामयाब रहा, वहीं इस पूरे मामले पर मसाजिद कमेटी के सचिव द्वारा लिखे गए पत्र ने हक़ीक़त को वाज़ेह करते हुए विवाद पर लगभग पटाक्षेप कर दिया.

दरअसल, इस मसले में स्थानीय मुस्लिम समाज के भीतर दो अलग-अलग दावेदार सामने आ गए थे और हैरत की बात यह रही कि दोनों पक्षों के पास भोपाल स्थित मुस्लिम त्योहार कमेटी के पत्र मौजूद थे. यही वजह रही कि मामला महज़ अंदरूनी मतभेद तक सीमित न रहकर प्रशासनिक

हलकों तक जा पहुँचा. विवाद उस वक्त खुलकर सामने आया जब शांति समिति की बैठक में एक पक्ष ने शहरकाज़ी जनाब तैय्यब हाशमी से ईद की नमाज़ अदा कराने की बात रखी. मगर दूसरे पक्ष ने इस प्रस्ताव को सिरे से ख़ारिज करते हुए साफ़ कहा कि ईदगाह और मस्जिद से जुड़ी व्यवस्थाएँ मस्जिद कमेटी के दायरे और ज़िम्मेदारी में आती हैं, न कि मुस्लिम त्योहार कमेटी के.

समाजसेवी जनाब इरफ़ान दुर्रानी ने भी इस पूरे मामले में आपसी एहतिराम, अमन और इत्तेहाद को बरक़रार रखने की अपील की. उन्होंने कहा कि दीन के मसाइल को आपसी मशवरे, तहम्मुल और हिकमत के साथ हल किया जाना चाहिए ताकि समाज में किसी तरह की गलतफ़हमी या इंतिशार पैदा न हो.

मप्र जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन की प्रस्तुति आज

भोपाल. मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि 'संभावना' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 31 मई रविवार को मांगीलाल बड़ेकनिया एवं साथी, राजगढ़ द्वारा मालवी गायन, नमन तिवारी एवं साथी, नर्मदापुरम द्वारा कबीर गायन, जसवंत भार्वे एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा गुदुमबाजा नृत्य, चरण सिंह गोण्ड एवं साथी, सागर द्वारा सैरा नृत्य की प्रस्तुति दी जायेगी. मप्र जनजातीय संग्रहालय में हर रविवार को दोपहर 2 बजे से आयोजित होने वाली इस गतिविधि में मध्यप्रदेश के पांच लोकांचलों एवं सात प्रमुख जनजातियों की बहुविध कला परंपराओं की प्रस्तुति के साथ ही देश के अन्य राज्यों के कलारूपों को देखने समझने का अवसर भी जनसामान्य को प्राप्त होगा.

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर लोगों को दिलाई शपथ

रायसेन, 30 मई. विश्व तंबाकू निषेध सप्ताह के अंतर्गत जिला चिकित्सालय रायसेन में तंबाकू नियंत्रण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में उपस्थित मरीजों, परिजनों एवं अस्पताल स्टाफ को तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों, विशेष रूप से मुख कैंसर, फेफड़ों के रोग, हृदय रोग तथा अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई. साथ ही सभी को तंबाकू सेवन छोड़कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया.

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ डॉ. दिनेश खत्री ने उपस्थित सभी लोगों को तंबाकू मुक्त भारत के निर्माण हेतु शपथ दिलाई. शपथ ग्रहण कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. यशपाल सिंह बाल्यान, डॉ. अनिल ओड़, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. मौतुशी हलदर, अस्पताल स्टाफ एवं मरीजों के परिजनों ने सहभागिता की. संचालन जिला तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. मोहम्मद जावेद द्वारा किया गया. टोबैको सेसेशन सेंटर टीसीसी की सेवाओं एवं महत्व के बारे में जानकारी दी गई. बताया गया कि जिला चिकित्सालय रायसेन के दंत रोग विभाग में संचालित तंबाकू व्यसन मुक्ति केंद्र पर आमजन के लिए तंबाकू छोड़ने हेतु नि:शुल्क परामर्श, नियमित फॉलोअप तथा निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी एनआरटी की सुविधा उपलब्ध है. उपस्थित लोगों को तंबाकू छोड़ने में आने वाली कठिनाइयों के समाधान हेतु व्यवहारिक सुझाव एवं परामर्श भी प्रदान किया गया.

जिला नोडल अधिकारी डॉ. मोहम्मद जावेद ने बताया कि प्रतिवर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है. तंबाकू सेवन के कारण प्रतिवर्ष लाखों लोगों की मृत्यु होती है. उन्होंने आमजन से तंबाकू से दूर रहने एवं व्यसन मुक्ति सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की. उन्होंने बताया कि तंबाकू छोड़ने के इच्छुक व्यक्ति जिला चिकित्सालय रायसेन स्थित तंबाकू व्यसन मुक्ति केंद्र से नि:शुल्क सहायता प्राप्त कर सकते हैं. इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय तंबाकू त्याग हेल्पलाइन 1800-11-2356 पर कॉल कर भी विशेषज्ञ परामर्श एवं सहायता प्राप्त की जा सकती है.

बीएसएसएस ने विद्यार्थियों को दिया एआई का प्रशिक्षण

भोपाल, 30 मई. भोपाल स्कूल ऑफ़ सोशल साइंसेज (बीएसएसएस) के कंप्यूटर एप्लीकेशंस विभाग ने बीसीए और बी कॉम के छात्रों के लिए 'पोवर्ड बाय इंटेल ए आई फॉर फ्यूचर वर्कप्लेस' पहल के तहत 'ए आई फॉर साइबर सिक्यूरिटी' और 'ए आई फॉर सस्टेनिबलिटी' नाम से एक-सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए.

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, स्थिरता और आधुनिक तकनीकी अनुप्रयोगों के ज्ञान को बढ़ाना था. 'ए आई फॉर साइबर सिक्यूरिटी' प्रशिक्षण ने नेटवर्किंग की बुनियादी बातों, लिनक्स ऑपरेशंस, वर्चुअलाइजेशन, नेटवर्क स्कैनिंग टूल्स, साइबर सुरक्षा जागरूकता, और ए आई संचालित साइबर खतरों और बचाव तंत्रों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया. छात्रों ने व्यावहारिक सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया और सिस्टम प्रशासन तथा साइबर सुरक्षा से संबंधित तकनीकी कौशल प्राप्त किए. 'ए आई फॉर सस्टेनिबलिटी 'कार्यक्रम ने पर्यावरणीय स्थिरता, जलवायु निगरानी, स्मार्ट सिटी समाधान, नो-कोड ए आई टूल्स और डेटा विश्लेषण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया. संवादात्मक चर्चाओं और व्यावहारिक प्रदर्शनों ने छात्रों को यह समझने में मदद की कि ए आई प्रौद्योगिकी पर्यावरणीय और स्थिरता संबंधी चुनौतियों को हल करने में कैसे योगदान दे सकती हैं.

ये छात्रों के लिए अत्यंत जानकारीपूर्ण और लाभकारी रहे. इन्होंने उभरती प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग और सतत तकनीकी नवाचार में भविष्य के अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया.

नयापुरा अगारिया के जंगल में मिला अज्ञात शव

▶ दस्तावेजों से हुई पहचान, पुलिस जांच में जुटी

रायसेन, 30 मई. जिले के सैंडोरा चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नयापुरा अगारिया के जंगल में महुआ के पेड़ के पास एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई.

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के

लिए जिला चिकित्सालय रायसेन भेज दिया.

पुलिस को मृतक के पास से आधार कार्ड एवं इलाज संबंधी दस्तावेज मिले हैं, जिनके आधार पर उसकी पहचान जयसिंह पिता हिरासय (करीब 50 वर्ष), निवासी ग्राम मेंड्रा, जिला मनेंद्रगढ़, छत्तीसगढ़ के रूप में हुई है. मौके से ट्रेन की टिकट भी बरामद हुई है. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक छत्तीसगढ़ के किसी अस्पताल में भर्ती था और संभवत: ट्रेन के माध्यम से यहां तक पहुंचा था. बताया जा रहा है कि शव करीब तीन दिन पुराना है. चौकी प्रभारी शैलेंद्र दायमा ने बताया कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है तथा मृतक के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है.

फ्लोरोसिस मरीजों के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था

रायसेन. जिले में फ्लोरोसिस से प्रभावित मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. दिनेश खत्री ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं. इन आदेशों के तहत, जिला फ्लोरोसिस सलाहकार डॉ. मातादीन भारती को जिला अस्पताल में आने वाले फ्लोरोसिस मरीजों की नियमित जांच और परामर्श की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

धर्म ▶ पहली बार बिना बुद्ध अवशेषों के विदेश भेजे गए सारिपुत्र-महामोग्गलान के अस्थि कलश

बुद्ध के शिष्यों के अस्थि कलश दिल्ली से मंगोलिया रवाना

▶ सांची के बौद्ध भिक्षुओं ने किया अस्थि कलशों का पूजन

सलामतपुर, 30 मई. गौतम बुद्ध के प्रधान शिष्य अरहंत सारिपुत्र और महामोग्गलान के पवित्र अस्थि कलश शुक्रवार रात विशेष विमान से मंगोलिया भेजे गए. यह पहली बार है जब बुद्ध की अस्थियों के बिना उनके दोनों प्रमुख शिष्यों की अस्थियां किसी दूसरे देश की यात्रा पर भेजी गई हैं.

इससे पहले, दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय में बुद्ध और उनके दोनों परम शिष्यों की अस्थियों का संगम देखने को मिला. सैकड़ों बौद्ध अनुयायी

दिनभर इनके दर्शन के लिए पहुंचे.

सांची स्थित चेतियागिरी विहार से पहुंचे बौद्ध भिक्षुओं ने अस्थि कलशों का विधिवत पूजन किया. देर रात भारतीय वायुसेना के सी-17 ग्लोबमास्टर विमान से इन्हें मंगोलिया के लिए रवाना किया गया.महाबोधि सोसायटी श्रीलंका के अध्यक्ष वानगल उपतिस्स नायक थेरो और इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्फेडरेशन के निदेशक कर्नल यश सक्सेना के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मंगोलिया गया है. अस्थि कलशों को उलानबाटार स्थित गंडन तेगचेनलिंग मठ में 10 दिनों तक श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ रखा जाएगा.

▶ **मंगोलिया सरकार ने राजकीय अतिथि का दर्जा दिया**

मंगोलिया सरकार ने इन अस्थि कलशों को राजकीय अतिथि का दर्जा दिया है. जानकारी के अनुसार, मंगोलिया के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और वहां के प्रमुख बौद्ध धर्मगुरु भी इन पवित्र अवशेषों के दर्शन करेंगे. भारत सरकार ने अगस्त 2025 में मंगोलिया के राष्ट्रपति के साथ हुई चर्चा के दौरान इन पवित्र अवशेषों को मंगोलिया भेजने का आश्वासन दिया था.प्रतिनिधिमंडल में शामिल लेखक शकील सिद्दीकी ने बताया कि मंगोलिया के लोगों के लिए सारिपुत्र और महामोग्गलान केवल बुद्ध के शिष्य नहीं, बल्कि बौद्ध धर्म के जीवंत प्रमाण हैं. उनके अवशेषों का आगमन वहां करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा विषय है. मंगोलिया में इन्हें ऐतिहासिक धरोहर के साथ-साथ आध्यात्मिक शक्ति और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक माना जाता है.

डीएलएड, 9वीं-11वीं की परीक्षाएं 2 जून से

▶ 8838 विद्यार्थी देंगे द्वितीय अवसर परीक्षा

रायसेन, 30 मई. डीएलएड और द्वितीय अवसर परीक्षाएं 3 जून से शुरू होंगी, जिनमें कुल 8838 विद्यार्थी शामिल होंगे. परीक्षा केंद्र प्रभारियों को परीक्षा सामग्री का वितरण किया गया.

शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार दोपहर परीक्षा केंद्र प्रभारियों को सामग्री सौंपी गई. जानकारी के अनुसार, डीएलएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की मुख्य परीक्षा 2 जून से प्रारंभ होगी. यह परीक्षा सुबह 8 बजे से 11 बजे तक आयोजित की जाएगी. वहीं, माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 9वीं और 11 वीं की द्वितीय अवसर परीक्षा 3 जून से शुरू होगी. कक्षा 11वीं की परीक्षा दो पालियों में होगी: पहली पाली सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 1:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक. कक्षा 9वीं की परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होंगी. कक्षा 9वीं का परीक्षा कार्यक्रम इस प्रकार है: 3 जून को अंग्रेजी, 4 जून को उर्दू, 5 जून को विज्ञान, 6 जून को हिन्दी, 8 जून को गणित, 9 जून को संस्कृत, 10 जून को मराठी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी एवं विशेष विषय, 11 जून को सामाजिक विज्ञान और 12 जून को एनएसक्यूएफ एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परीक्षा होगी. कक्षा 11वीं के 3 जून को भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र सहित अन्य विषय; 4 जून को कृषि, होम साइंस, रसायन शास्त्र, इतिहास; 5 जून को संस्कृत, उर्दू, मराठी, गणित; 6 जून को मनोविज्ञान, समाजशास्त्र; 8 जून को इन्फॉर्मेटिक प्रैक्टिसेस, अंग्रेजी; 9 जून को राजनीति शास्त्र, हिन्दी; 10 जून को भूगोल, व्यवसाय अध्ययन सहित अन्य विषय और 13 जून को जीवविज्ञान की परीक्षा होगी.

जिले में कक्षा 9वीं के 7159 और कक्षा 11वीं के 1679 विद्यार्थी इन परीक्षाओं में शामिल होंगे. दोनों कक्षाओं को मिलाकर कुल 8838 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे. मंडल द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि परीक्षा कार्यक्रम संस्थानों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा किए जाएं, ताकि परीक्षार्थियों को विषय, तिथि और समय की जानकारी आसानी से मिल सके. परीक्षा कार्यक्रम मंडल की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगा.